(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार ने क्या निर्णय किया हैं?

स्राष्ट, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री गोविन्द भेनन):

- (क) जी हां।
- (ख) मामला विचाराधीन है।

## Agriculture-oriented Education

\*172. Shri Liladhar Kotoki: Shri Yashpal Singh: Dr. Ranen Sen: Shri R. Barua:

Will the Minister of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation be pleased to state:

- (a) whether Government have felt the need for making education agriculture-oriented in order to develop agriculture on modern and technological lines; and
- (b) if so, the measures taken in this regard?

The Deputy Minister in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Shyam Dhar Misra): (a) This matter has been considered by the Education Commission appointed by the Ministry of Education. The Commission has since submitted its Report which is being considered by the Government.

(b) In view of the above the question does not arise at this stage.

बम्बई पत्तन न्यास के चालकों (पायलटों) द्वारा हड़ताल

> \*173. श्री बढ़े: श्री हुकम चन्द कछ्वाय: श्री स० मो० बनर्जी:

भी भोंकार लाल बेरवा :
भी सुरेन्द्रपाल सिंह :
भी नाम पाई :
भी हेन बरुमा :
भी सुरेन्द्र नाम हिबेबी :
भी हरि विष्णु कामत :
भी बीठ चंठ शर्मी :

न्या परिवहन, उड्डयन, नौवहन तथा पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या यह सब है कि सितम्बर, 1966 में बंबई पत्तन न्यास के चालकों (पायलटों) ने प्रतिश्चित काल के लिये हड़ताल कर दी थी;
- (ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण थे; भौर
- (ग) इस बारे में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

परिवहन, उड्डयन, नौवहन तथा पर्यटन मंत्री (श्री संजीव रेड्डी) :

- (क) 28 सितम्बर को प्राधी रात से बम्बई पत्तन के पाइनटों, डकक मास्टरों भौर घाट मास्टरों ने हड्ताल की। 1 प्रक्तूबर 1966 को 13.30 बजे हड्ताल समाप्त की गयी।
- (ख) इन ग्रधिकारियों ने पाइलटों में से एक पाइलट के विरुद्ध पोर्ट ट्रस्ट कंडक्ट नियमों को भंग करने के लिए ट्रस्ट के ग्रनु-शासनात्मक जांच करने के निर्णय में ग्रापत्ति की ।
- (ग) चूंकि स्थानीय बातचीत के फलस्वरूप हड़ताली प्रधिकारियों क्रोर पीर्ट ट्रस्ट के बीच समझौता हो गया था स्नतः भारत सरकार द्वारा कार्यवाही करने की सावण्यकता नहीं हुई।